



■ बिहार चुनाव :  
एनडीए के खेमे  
में जीत का जन्म  
महागठबंधन में  
छाया सज्जनाटा  
- 12



■ थोक नुद्रापीटि  
अवटरण में 1.21  
प्रतिशत घटकर  
27 माह के निचले  
स्तर पर  
- 12



■ भारत विथर  
व्यापार संगठन  
में सुधार प्रक्रिया  
का कर्ण नेतृत्व : डॉ.  
नगोजी  
- 13



■ वैष्णव सूर्यवंशी  
दूसरा सबसे  
तेजी 200 शतक  
जड़ने वाले  
भारतीय बल्लेबाज  
बने - 14

आज का मौसम	26.0°
अधिकतम तापमान	12.0°
न्यूनतम तापमान	06.28
सूर्योदय	05.19

मार्गीर्ष कृष्ण पक्ष एकादशी 02:37 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत् 2082

# अनुत्तर विचार

| कानपुर |

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार



2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बदली ■ कानपुर  
■ गुरुदाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

शनिवार, 15 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 85, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

# बिहार में राजग की उबल सेंचुरी

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को दो तिहाई बहुमत, महागठबंधन का हुआ सूपड़ा साफ

पटना, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा में दो तिहाई बहुमत हासिल कर 202 सीटें जीतकर उबल सेंचुरी मार दी है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, गठबंधन ने 243 में से 202 सीटें जीती है। भाजपा 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। उसकी सहयोगी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने 85 सीटें जीती है।

समाचार लिखे जाने तक लोजपा (राम विलास) ने 19 सीटें जीती थी। इस (से) में 5 सीटें जीती हैं जबकि राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने चार सीटें जीती हैं। राजग खेमे के प्रमुख विजेताओं में उपस्थितमंत्री सप्ताह चौधरी, मंत्री प्रेम कुमार, महेश्वर हजारी, संजय सरावगी और भाजपा की मैथिली ठाकुर शामिल हैं। विपक्षी खेमे से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव, दिव्यांत महम्मद शाहवुदीन के पुत्र ओसामा शहाब और भाकपा (माले) लिवरेसन के संदीप सौरव प्रमुख विजेताओं में रहे। इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन वेदह खरब रहा और

जनता ने हम पर विश्वास जताया, बिहार विकसित राज्यों में शामिल होगा

पटना, एजेंसी पटना। बिहार के मुख्यमंत्री और जद यू के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने प्रचंड जीत पर कहा कि जनता ने उनको सरकार के प्रति विश्वास जताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, राजग के घटक दलों के मुख्य नेताओं का धन्यवाद भी किया और कहा कि बिहार देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रीमि में शामिल होगा। उन्होंने कहा, राजग के सभी समाजित मंत्रियों को मेरा नम, हाय से आभार एवं धन्यवाद।

अब तक वह केवल 33 सीट ही जीत सका है। राजद ने 24 सीट और कांग्रेस ने 6 सीट जीती हैं वामदलों ने तीन सीटें जीती हैं। वहाँ, हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एवं इंडियाएम ने पांच सीट पर जीत दर्ज की है। बसपा ने एक सीट जीती। राजग की जीत के साथ पटना से लेकर दिल्ली का जनशन मनाया गया।

सर्वाधिक सीटों के साथ भाजपा बनी सबसे बड़ी पार्टी, पटना से लेकर दिल्ली तक जीत का जश्न

गायिका नैथिली ठाकुर ने महज 25 साल तीन महीने 20 दिन की उम्र में चुनाव जीतकर देश में सबसे कम उम्र में विधायक बने जाने का रिकॉर्ड कायाम किया।

उप मुख्यमंत्री संग्राट चौधरी ने तारापुर सीट पर राजद के अणुण कुमार को हराकर 45843 वोटों से जीत हासिल की। राजद नेता तेजस्वी ने राधोपुर सीट से जीत दर्ज की, भाजपा प्रत्याशी सतीश को 14532 वोट से हराया।



## ब्रीफ न्यूज

मशहूर अभिनेत्री कामिनी कौशल का निधन

मुंबई। 1946 में 'नीचा नगर' से अपने फिल्मों कीरियर की शुरुआत करने वाली फिल्मों की शुरुआती अभिनेत्रीयों में से एक मशहूर अदाकारा कामिनी कौशल का उके मुख्य स्थित आवास में निधन हो गया। वह 98 वर्ष की थी।



योगी कैबिनेट ने 20 प्रस्तावों पर लगाई मुहर, आमजन को दी गई सीधी राहत, किसानों को 40521 सोलर पंप

● बागपत में मेडिकल कॉलेज और शाहजहांपुर में नया राज्य विश्वविद्यालय भूमिका



राज्य व्यूरो, लखनऊ अमृत विचार: योगी कैबिनेट की बैठक में शुक्रवार को कई ऐसे नियम लिए गए हैं जिनका सीधा असर आप जनता के रोजमर्झी जीवन और ग्रामीण-कृषि अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। खासकार पर बुजुर्गों की पेशन प्रक्रिया सरल करने के लिए, प्रमाणित मूल्य व्योजन करने जैसे नियमों से सीधे लोगों की जेव जीवनशील को प्रभावित करेगे।

मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्री परिषद की बैठक में शुक्रवार को नेपिली आईडी के आधार पर वृद्धावस्था पेशन के पात्रों का स्वतः स्वायत्पन करने का नियम लिया है। इसके अंतर्गत विभाग पात्र बुजुर्गों की पहचान कर उड़े पोर्टल पर 'पुणी' करेगा। लाभार्थी को केवल पुष्टि करनी होगी। अवेदन की समीक्षा और स्वीकृति 15 दिन में और समग्र प्रक्रिया 60 दिन के भीतर पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। यह व्यवस्था

पेशन पाने की प्रक्रिया को बहेद सरल करनी और उन लाभों बुजुर्गों के लिए लाभकारी सिद्ध होनी जिन्हें अब आयोजनात्मक दिवकरों के कारण

पेशन पाने की प्रक्रिया को बहेद सरल करनी और उन लाभों बुजुर्गों के लिए लाभकारी सिद्ध होनी जिन्हें अब आयोजनात्मक दिवकरों के कारण

मदद नहीं मिल पाती थी। किसानों के लिए ऊर्जा-स्वांत्रता : कृषि विभाग के प्रस्ताव पर वर्ष 2025-26 में प्रदेश भर में 40,521

गन्ना किसानों को सीधे लाभ

पेरई सर 2025-26 के लिए एसएसपी पर कैबिनेट ने मुहर लगाई है। हालांकि यह पहले ही मुख्यमंत्री ने धूपित कर दिया था। तथा किया गया है कि अग्री प्रजाति के लिए 400 रुपये, सामान्य के लिए 390 और अनुप्रयुक्त प्रजाति के लिए 355 रुपये प्रति विंटरल की दर से सरकार खरीद करेगी। दुलाई की दरी की गई है। इससे भूजान सुधारित होनी की उमीद है।

स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े फैसले

बागपत में नई मेडिकल कॉलेज के लिए तमस्या विद्यालय की 5.07 हेक्टेएर जमीन ने शुल्क हस्तारित करने का नियंत्रण किया गया। इससे भूजान सुधारित होनी की उमीद है। इससे भूजान सुधारित होनी की उमीद है।

किरायानामा व रजिस्ट्रेशन शुल्क में कटौती

किरायानामा व पट्टा रजिस्ट्रेशन और रसायन शुल्क में निजी व्यापारियों के लिए सर्वाधिक अधिकारियों के वाहन रेट दरों तक की दर्ता दी गई है। अब 10 साल तक के अनुबंध के लिए न्यूतम शुल्क मात्र 500 से 2,500 रुपये प्रति वर्ष तक तेजावरिका, महिला श्रृंखला-नियम, अधिकारिक रेट्रोसेशन/स्टाप्प अलग-अलग लागू होंगे।

ग्रेटर नोएडा-बलिया 8-लेन एक्सप्रेसवे

ग्रेटर नोएडा से बलिया तक प्रस्तावित 8-लेन एक्सप्रेसवे परियोजना से जुड़े समय से पूर्ण निरस्तरीकरण से संबंधित वित्तीय मामला निपटाने का नियंत्रण लिया गया। अब 10 साल तक के अनुबंध के लिए न्यूतम शुल्क मात्र 500 से 2,500 रुपये प्रति वर्ष के लिए नियमित रूप से लाभार्थी को जानी जाएगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस तोड़फोड़ पर कोई आधिकारिक रूप से लाभार्थी को जानी जानी नहीं की गयी है, लेकिन शीर्ष अधिकारियों ने जीत पर देखा है कि इसकी वित्तीय मामला निपटाने के लिए एक बड़ी दूरी है। उनके बाद उन्होंने एक बड़ी दूरी तक लाभार्थी को जानी जानी नहीं की गयी है।

स्टैंड-अलोन सोलर पंप लगाने की प्रदूषण व कार्बन उत्सर्जन में गिरावट आएगी। सरकार 60 प्रतिशत तक अनुदान देगी और चयन 'पहले आओ-पहले पातो' आधार पर होगा।

ग्रेटर नोएडा-बलिया 8-लेन एक्सप्रेसवे

ग्रेटर नोएडा से बलिया तक प्रस्तावित 8-लेन एक्सप्रेसवे परियोजना से जुड़े समय से पूर्ण निरस्तरीकरण से संबंधित वित्तीय मामला निपटाने का नियंत्रण लिया गया। इससे भूजान सुधारित होनी की उमीद है। इससे भूजान सुधारित होनी की उमीद





अनुसार

हेल्प केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS

• MODULAR OT

दूरीचीन विधि

से आपशेषन

अब कम खर्च में

सीएसीएस, डेकोलेन व आयुष्मान कार्ड मात्रा

117/क्यू/702,

शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

## न्यूज ब्रीफ

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में

मंत्रमुख होकर झूमे भक्त

कन्नौज़।

भगवान वर्षा में चल रही श्रीमद्

भगवान कथ के पांचवे जन्मोत्सव की श्रीकृष्ण

जन्मोत्सव मनाया गया। कथा याम

पीठीशीधर काशल किशोर शिराई ने

बताया कि किस तरह देवकी के गर्भ

से अटाईं संतान के पैदा होने के बाद

वासुदेव जी भगवान कृष्ण को बदलकर

उनकी हाथ पर योग्य माया को लेकर

एप और भगवान को गोकुल में

यशादा मैया को गोद में देकर आ गए।

यशादा मैया के तो कथा पैदा हुई थी।

वासुदेव जी की कहा गया कि लाला

को नंद बाबा को छोड़कर कन्ना को

लेकर वापस कंसर को जेल में आना है।

नंदलाल के जन्म की खुशी में नंद बाबा

के यहाँ उत्सव शुरू हो गया।

युवक की चारपाई तालाब

में फेंकी, विरोध पर पीटा

सौरिख। दंबों ने युवक की चारपाई

को गांव के तालाब में फेंक दिया। वोकी

नादमऊ के गांव कक्षरहिया निवासी

अविवेद कुमार पुत्र जन्मानाथ अपने

गांव में भालनाथ के मंदिर के पास

वारपाई डालकर लेटा था। आरोप

लगाया, 7 वर्षबाट की शाम राह 8 बजे

गांव के राधाकृष्ण नप्त्र रख। प्रवेत लाल

एवं शिवम, पंकज पुराणग राधाकृष्ण

ने उसकी वारपाई डालकर पीटेंस के

तालाब में फेंक दी। उन्हें जब विरोध

किया तो लाटी ढंडों से पीटने लगे।

कोटा चयन को लेकर

मारपीट, चले ईंट-पथर

छिबरामऊ। विकासखंड क्षेत्र के ग्राम

सराय गुरुज गांव में कोटा चयन को

लेकर शुक्रवार की आधी विवाह हो

गया। शुक्रवार की एक्टोंपांचयत

जसकरण सिंह और सचिव आदित्य

कुमार कोटा चयन किया रख रहे थे।

पुराणे कोटेकर के दस्तावेज पूरे नहीं

पर दोनों पक्षों में बहुत शुरू हो गई।

देखते ही देखते मामला बींगड़ गया और

लाल-धूम्रोंसे के साथ ईंट-पथर चलने

लगे, जिसमें दोनों तरफ के कई लोग

घायल हो गए।

धूमधाम से निकले गी बाबा की निशान यात्रा

संवाददाता, छिबरामऊ

अमृत विचार। नगर में 5 दिसंबर

शुक्रवार को बाबा खाटू श्याम की

भव्य निशान शोभायात्रा धूमधाम

से निकाली जाएगी। इसको लेकर

बैठक में बाबा के भक्तों ने रुपरेखा

पर विचार विमर्श किया।

श्री खाटू श्याम सेवा समिति के

अध्यक्ष विवेक गुप्ता ने बताया कि

अध्यक्ष विवेक गुप्ता ने बताया कि

सभी भक्त 5 दिसंबर को सुबह 10

बजे सौरिख रोड स्थित सिंधुपाटी मां

कालिकट देवी मंदिर पर एकत्र होंगे।

यहाँ पर जाती पूजा के बाद रथ

पर विचारमान बाबा खाटू श्याम की

पूजा होगी और किर 11000 निशान

के साथ भव्य शोभायात्रा प्रारंभ हो

जाएगी। निशान निःशुल्क मिलेंगे।

अंत में सभी ने 2 मिनट मौन रहक

समिति के प्रबंधक विनय शर्मा उर्फ

ज्ञानी 15 जीवंत ज्ञानी, 11

ज्ञानी, 20 डीजी, 10 डीजी, 10

सेठ को भावधारी श्रद्धांजलि दी।

डीएम ने इस स्थिति को

आपत्तिजनक बताया और कहा

कि सरकारी कार्यालयों में समय

से उपस्थिति और उत्तरदायित्व

पालन अनिवार्य है। इस प्रकार

की लापरवाही शासन के कार्यों

को बाधित करती है। यह किसी

भी दश में स्वीकार्य नहीं होगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि उपस्थिति

विवेक गुप्ता

में जानकारी करते डीएम आशुतोष

मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री

ने बताया कि जानकारी करते डीएम

आशुतोष मोहन अग्निहोत्री&lt;/







## न्यूज ब्रीफ



कलशयात्रा यात्रा निकालते श्रद्धालु।

## कलशयात्रा में भक्ति व अध्यात्म का संगम

मोदा। कई बैठी देवी मंदिर में शनिवार से श्रीमद भागवत कथा को लेकर श्रुत्वार्थी, जिसमें भक्ति और अध्यात्म का समान देखने को मिला। पीताम्बर धारण किए रहे हैं और पुरुष शमिल हुए। शनिवार से काशी धर्म पीठाधीश्वर स्वामी नारायणनंद महाराज भक्तों को कथा का पाठ कराएं। इस दौरान रामदेव सिंह, शिवकुमार पाण्डेय, राकेश पालवाल, मनीष शुक्रा, राधेश सिंह गोतम, धनंजय सिंह, उत्तम सिंह, विनय तिवारी, ज्योत्स्ना सिंह मौजूद रहे।

**जराखर के तालाब में भिला वृद्धा का शव**  
राट। भिला वृद्धा थाना क्षेत्र के जराखर निवासी इंद्राणी (85) पर्सी गंडी परिवार से अलग रही थी। पर के पृष्ठे तालाब है। शुक्रवार की दोपहर ग्रामीणों ने उसका शव तालाब में ढेखा तो सनसनी फैल गई। परिजनों को आशंका है कि शीघ्रताया के बाद तालाब में हाथ-पैर धोने के दौरान घटना घटिगड़े से वह तालाब में पिसी। उसका पक्षियां पुरुष पुलिस द्विली में मजदूरी तोड़ता है। वह आज ही द्विली से गंगा लौटा था।

**पुराने विवाद में युवक को मारी गोली, गंभीर**  
राट। भिला वृद्धा थाने के इंटीरा गांव में ऊरुवार रात जयराज (35) पुरुष परशुराम अपनी कोंडों को खाना देने के लिए द्वारा की ओर जा रहा था। जयराज ने बताया कि चरोरे भाई गजराज से जानवर बांधने के पुराने विवाद में गांव के कुछ लोगों और उनके रितरों से उन्हें देखते ही तमचे से गोली मारी थी। गोली वारपाल से टकराकर उसके दाहिने पैर में लागी। सीधी ने रींखी चुप्पुक घायल से जानकारी ली। थानाध्यक्ष ने बताया कि तरीर पर संदीप, विकास और रुप सिंह के बिरुद्ध मुकदमा दाखिल कर्कार्वाई की जा रही है।

**स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ सौंपा ज्ञापन**  
हमीरपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद के जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह चंदेल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वामी प्रसाद मौर्य के जनपद आगमन के विरोध में श्रुत्वार्थ को कलेक्टर में प्रदर्शन कर दी। एक धनशयम मीना को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि सनातन विशेषी टिप्पणी करने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य के 16 नवंबर को सुमेरुपुर आगमन पर रोक लगाई जाए। इस दौरान संजय सिंह, विकास सिंह, शिवम सिंह, सौरभ सिंह, सुमित सिंह आदि कार्यकर्ता भी जूद रहे।

**स्थापना दिवस पर मरीजों को फल बांटे**  
मोदा। लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश के नेतृत्व में स्थापना दिवस पर सीएसो में मरीजों को फल वितरण किए गए। लेखपालों ने संगठन के संस्थापक मुराली लाशर्मा के वित्र में उनके द्वारा किए गए कामों को गिनाया। इसके बाद जिलाध्यक्ष की अग्रवाई में सौंपी गयी अपनी वित्र को फल वितरित किए। इस दौरान मरीजों को फल वितरण किए गए। लेखपालों ने लेखपाल के कूटनीतिक वित्र को अपने वित्र के साथ दिलाया।

**लखनऊ रवाना हुए**  
जिले के आपादा मित्र

हमीरपुर। जिला आपादा प्रवेश प्राधिकरण की ओर से आपादा मित्रों को प्रशिक्षण के लिए विशेष बस से लखनऊ भेजा गया। प्रशिक्षण 15 से 26 नवंबर तक राज्य आपादा प्रवेश प्राधिकरण में दर्शन। जीएम धनशयम मीना ने जिले से 50 अपादा मित्रों को यात्रा किया। इनमें सियाराम प्रजापति, दीपेंद्र कुमार, वीरु, प्रोद्वेद कुमार, मुकेश कुमार, शैलेन्द्र कुमार, अमिन, दीपेंद्र कात, अरोदी वीरी, नीलू देवी, अर्पण देवी, ऋषभ, महेंद्र, भूषण, चतुर सिंह आदि शामिल हैं।

**कैंडल जला मृतकों को दी श्रद्धांजलि**  
मोदा। यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विवेक चंद्र के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शहीद स्वारक पर मृतकों जलाकर दिल्ली धमके में मारे गए लोगों को छढ़ान्ति दी। नगर अध्यक्ष अहमद सरकार को मुहोलू जला देना चाहिए। उन्होंने मृतकों के परिजनों को पांच लाख रुपयों की मांग की। हसनेन मकबूल, संजय कुमार, सत्यपाल यात्रा, शोएब, राफीक, शहिद मसूद, इंजी हसनेन आदि रहे।

**ट्रैक्टर डिवाइडर सेटकराया, ट्रॉली बस चालक ने लगाया जाम, डीएम फंसे**

## ट्रैक्टर डिवाइडर सेटकराया, ट्रॉली बस चालक ने लगाया जाम, डीएम फंसे

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

### कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

हादसे में 7 श्रमिक गिरकर घायल

चालक हिरासत में लिया गया

शुक्रवार सुबह सदर कोतवाली

क्षेत्र के ग्राम शीतलपुर से निवासी

स्पना (34) पल्ली दौपू, माया

(30) पल्ली कोमल, लालावती

(30) पल्ली सरवन, शकुन्तला

(50) पल्ली राकेश, माना (35)

पल्ली खुरीशराम, गुडिया (22)

पल्ली जयराम, विमला (35)

पल्ली बावूराम, मधु (30)

पल्ली जयवाका, कंचन (30)

पल्ली वीरपाल, जगमोहन (65),

केशकली (35), सुगरा (30)

पल्ली मुना, बीना (50) पल्ली

पुलिस ने खेत में खड़ी आई

ट्रैक्टर द्वारा ले जा रहा

के लिए दौरा की ओर रहे।

कुरारा थानाक्षेत्र के डामर गांव

निवासी ड्रैवाइर से अलग रही थी। पर के

पृष्ठे तालाब है। शुक्रवार की दोपहर

ग्रामीणों ने उसका शब्द तालाब में ढेखा

तो सनसनी फैल गई। परिजनों को

आशंका है कि शीघ्रताया के बाद

तालाब में हाथ-पैर धोने के दौरान

घटना घटिगड़े से वह तालाब में

पिसी। उसका पक्षियां पुरुष पुलिस

द्विली में मजदूरी तोड़ता है। वह आज

ही द्विली से गंगा लौटा था।

था। जैसे ही शीतलपुर से कुरारा

की ओर लगभग 200 मीटर आगे

निकला तभी ट्रैक्टर अनियंत्रित

होकर डिवाइडर से टकरा गया।

टकर कर लगाने से ट्रैक्टर-ट्रॉली का

प्रेरण ऊपर उठ गया। जिससे ट्रॉली

में बैठे श्रमिक नीचे गिर गए। इस

दुर्घटना में लगभग सात श्रमिक

घायल हो गए। घटना से बैठा कर

जाम लगा दिया। इस जाम में करीब

पाँच मिनट तक डीपीम का काफिला

फक्स दिखा। हालांकि चालक को

समझा बुझाकर 20 मिनट बाद जाम

खुला दिया गया।

शहर में बस स्टैंड पर रोडवेज

चालकों की साथ आई

जाम की घटना दिखा।

जाम की

## न्यूज ब्रीफ

एसपी ने जनसुवाई में सुनी समस्याएं

महोबा। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अपर पुलिस अधीक्षक वंदा सिंह की अध्यक्षता में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। एसपी ने प्रदेश करियादी की समस्या को गम्भीरता से सुना और समाज के लिए भी अश्वरक किया। अधिकारियों को निर्देशित किया कि इसपर मालौदी में पूर्ण पारदर्शिता रखते हुए अपनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिससे आमजन का पुलिस पर विश्वास और अधीक्षक मजबूत हो। अपर पुलिस अधीक्षक महोबा ने कहा कि “महोबा, न्याय और सेवा के लिए मासमंथि है। नागरिकों की समस्याओं का तरित समाजन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।”

## महिलाओं को बताए गए सुरक्षा के उपाय

महोबा। एसपी प्रबल प्रसाद सिंह के निर्देशन में एसपी वंदा सिंह के परिवेश में शुक्रवार को लिए के सभी शानों की मिशन शक्ति टीमों ने अपने क्षेत्रों में ध्वनि कर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। टीमों ने सुविधाओं और हैलाइन नंबरों के आला मुफ्त टर बैट टर, घरेलू दिया, महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों की जानकारी देते हुए शासन की महिला कल्याणकारी योजनाओं के सम्बद्ध में पंक्तें बढ़ाए और थानों में मिशन शक्ति केंद्रों की भूमिका की जानकारी भी साझा की।

## कुलपहाड़ सीओ ने दुकान में की छानबीन

महोबा। पनवाड़ी क्षेत्र के भरवारा गाव की जेलर्स शॉप में गुरुवार रात्रि वोरों का प्रयास स्थानीय लोगों ने विफल कर दिया। ग्रामीणों ने दुकान में बुझे चारों के पंडकर्के पूर्सितों को साँप दिया। कबा में ही वोरों की घटनाओं की घटना की जानकारी प्राप्त होते ही क्षेत्रिकारी कुलपहाड़ रविकांत गोड़ द्वारा आज शुक्रवार को घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने एवं अपराधियों को से विस्तृत पूछताछ कर संपूर्ण घटनाक्रम की जानकारी ली। क्षेत्रिकारी कुलपहाड़ ने मंपे कर पौर गुरुवारी निरीक्षक थाना जानवाड़ी अर्जुन सिंह को निर्देशित किया कि पंडके गढ़ गए अभियुक्तों के विस्तृद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

## कांग्रेसियों ने दीपदान कर दी शक्तिजलि

महोबा। देश की राजधानी दिल्ली में लाल किला के पास 11 नवंबर को विस्फोट में मारे गए निर्दोष लोगों की आमा की शांति के लिए जिला कांग्रेस कमेटी ने आला बौक में दीपदान कर शक्तिजलि अंतिम जीवनी की जिलाध्यक्ष संतोष कुमार धूरिया ने कहा कि यह देश की सुरक्षा का उत्तर ही गंभीर मामला है। सरकार जांच कर दोषियों और साजिश करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाकर मुक्तकों के परिजनों को न्याय दिलाया। कांग्रेसियों ने दीनदान कर मुक्तकों की आमा की शांति के लिए इवार से प्रार्थना की। यहां जिला उपाध्यक्ष शहिद खान, कार्यालय सचिव अंजयजन कोली, महासचिव बलदेव प्रसाद, पूर्व नगर अध्यक्ष संजय सिंह, देवदास तिवारी, वृदावन कुशवाहा, महेश अहिरवार, सुनील कुमार, प्रह्लाद अहिरवार, देवकुमार दुश्मन कुशवाहा, संतोष रायसिंह, हरावादेव सिंह, प्रेम सिंह, मिरजांश कर, हीरालाल पाल, राजू भैया सहित तमाम कांग्रेसी मौजूद रहे।

## बाल दिवस

## बाल मेले में बिखरी लजीज व्यंजनों की खुशबू

महोबा। शुभारंभ करते हुए संसद पुष्टेंद्र सिंह चंदेल ने बाल मेले का शुभारंभ किया। अधिकारी लजीज व्यंजनों की खुशबू के स्टालों पर खान-पीने की विश्वासी ने स्वाद किया। कालेज के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पंडित जगहरलाल नेहरू के जीवन पर क्राकाश डाला।

एनआर पब्लिक स्कूल में लगाए गए बाल मेले का पूर्व सांसद पुष्टेंद्र सिंह चंदेल ने फीता काटकर उद्घाटन किया और बच्चों की ओर से बनाए गए व्यंजनों का स्वाद लिया। पूर्व सांसद के साथ विद्यालय के प्रबंधक प्रवीण पालावाल, संजय

## लेखपाल संघ का स्थापना दिवस मना करमपुर ने बरेली को 2-0 से हराया

कार्यालय संवाददाता, महोबा



अमृत विचार। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ का 64वां स्थापना दिवस शुक्रवार को हर्षत्वलाल के साथ मनाया गया। स्थापना दिवस के मौके पर जिला लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने शहर के अनाथालय में बच्चों को कपड़े, फल व मिठाई वितरित की जिससे अनाथालय में बच्चों के चेहरे खुशी से खिले नजर आए। इसके बाद लेखपाल संघ ने जिला अस्पताल पंडुकर वितरित की जिससे अनाथालय की चेहरे खुशी से खिले नजर आए। इसके बाद लेखपाल संघ ने जिला अस्पताल पंडुकर वितरित की जिससे अनाथालय की चेहरे खुशी से खिले नजर आए।

64वें स्थापना दिवस के मौके पर लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष शिवभान ने कहा कि लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष शिवभान ने कहा कि लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष का नारा रहा। लेने की बात कही।

इसके बाद लेखपाल संघ ने जिला अस्पताल पंडुकर वितरित की जिससे अनाथालय की चेहरे खुशी से खिले नजर आए। इसके बाद लेखपाल संघ ने जिला अस्पताल पंडुकर वितरित की जिससे अनाथालय की चेहरे खुशी से खिले नजर आए।

किसान, मजदूर, मजलूम के साथ पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

किसान, मजदूर, मजलूम के साथ पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।

पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल का नारा रहा। लेने की बात कही।



शनिवार, 15 नवंबर 2025

## उच्च शिक्षित आतंकी



हम उस बचे को आसानी से माफ कर सकते हैं, जो अंधेरे से डरता है। जीवन की असली त्रासदी तब होती है, जब लोग प्रकाश से डरते हैं।

-सुकरात, दाशनिक

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदेंद्रेन पटेल की यह चिंता कि पढ़े-लिखे लोग भी अब आतंकवाद की ओर आकर्षित हो रहे हैं, केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि हमारी शिक्षा प्रणाली, सामाजिक बातचारण और डिजिटल युग के सम्प्रभुत्व संकेत है। यह चिंता इसलिए भी उचित है, क्योंकि पिछले एक दशक में वैश्विक स्तर पर ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहाँ ईज़ानियरिंग, निकिल्सा, विज्ञान और उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े युवाओं ने कट्टरवाहा या हिंसक विचारधाराओं का रास्ता अपनाया। प्रनन् यह है कि जिस शिक्षा से ताकिंकता, विवेक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मानवता की अवधीनता जीवनी की जाती है, वह क्यों कई बार इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पाती? शिक्षा का लक्ष्य कानूनी से भी ढिगी देना है, दृष्टिकोण नहीं। हम गुणात्मक स्तर, नैतिक शिक्षा, सांस्कृतिक प्रौद्योगिकी, वैज्ञानिक मानविकता और सामाजिक जिम्मेदारी को पालयक्रम के केंद्र में नहीं रख पाए हैं, सो मूल्य-तत्त्व पहाड़ को दोषी ठहराना उचित नहीं। दूष उस सामाजिक और वैचारिक बातचारण में है, जिसमें विद्यार्थी पनपता है। यदि घर, समुदाय, विश्वविद्यालय परिसर और डिजिटल स्पेस लगातार किसी विशेष विचारधारा, भय, असुरक्षा या शत्रु-कल्पना को पोषित कर रहे हो, तो शिक्षा का तटस्थ ज्ञान उसके सामने कमज़ोर पड़ने से अतंत ऊपरांग, तकनीकी दक्ष और सफल पेशेवर भी कट्टर विचारों के शिक्षकों में फैलता है।

विज्ञान पहाड़ा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखना दो अलग बातें हैं। यदि सामाजिक परिवेश किसी व्यक्ति को भय, अस्तित्व या 'दूसरे' के प्रति नफरत से भर दे, तो पढ़ा-लिखा भी भावनात्मक जाल में फैलता है। डिजिटल दुनिया की भास्माक सूचनाएं, पढ़ीज़-व्योरियों और लक्षित दुश्माचार युवा दिमागों का लगातार अपनावित कर रही हैं। संशल नीटियों पर आधारित दुश्माचार अपने लाभ हेतु व्यक्ति को उसी सामग्री की ओर धकेलता है, जो उसकी मानविकता को भाए। उसके गुरुसे, असंतोष और पूर्वांगों को भजूँत करे। सूचना की अधिकता और ज्ञान की कमी अक्सर विवेक को कुंद कर देती है। आष्ट्रभक्ति और मानवीयता किसी डिग्री की अनिवार्य उप-उत्पाद नहीं है, वे संस्कार, संवाद और विवेक से विकसित होती इसलिए एक कुशल पेशेवर, डॉक्टर, ईज़ानियर या शोधकर्ता स्वाभाविक रूप से देशपक्षत, ताकिंक और उदार विचारों वाला नारायणिक भी होगा इसकी कोई गारंटी नहीं। सरकार और समाज को इसके लिए मिलकर प्रयास करना होगा। शिक्षा में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सांविधानिक पक्का नारायणिक और सामाजिक नैतिकता अनिवार्य: शामिल हो। कट्टरवाहा रोकने में परिवार, समुदाय, शिक्षकों संस्थानों समन्वित शूमिका किया जाए। युवाओं को रोजगार, अवसर और सकारात्मक उद्देश्य पुलावत्त कराए जाएं, क्योंकि बेरोजगारी कट्टरवाहा की उर्वर भूमि है। विद्यालय-महाविद्यालयों में इस तरह का भी पालयक्रम हो, जो विभिन्न सामग्रीयों द्वारा दुश्माचार को समझने में सक्षम बनाए। डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर भावनाक सामग्री और नफरत फैलाने वाले तंत्रों पर कठोर नियरानी हो। राज्यपाल की चिंता इसलिए समीक्षीय है, क्योंकि आतंकवाद अब केवल सामाजिक हाशिए से नहीं, बल्कि शिक्षित वर्ग से भी भोषण पा रहा है। इसे रोकना केवल सुरक्षा एजेंसियों का कार्य नहीं, यह समाज, शिक्षा और शासन तीनों की साझा जिम्मेदारी है।

### प्रसंगवथा

## आत्मनिर्भरता और सामाजिक अस्तित्व के प्रतीक बिरसा मुंडा

हमारा स्वतंत्रता संग्राम देश के उन असंख्य बलिदानियों के त्याग और समर्पण की कहानी बायं करता है, जिन्होंने अपना जीवन, घर-परिवार, मुख्य-चैन और जवानी सब कुछ देश के लिए समर्पित कर दिया। ऐसे ही महान क्रांतिकारियों में एक नाम ही भावनान विस्तार मुंडा, जो उनकी 150 वीं जयंती के अवसर पर आवश्यक है कि हम राष्ट्र प्रेम, सामाजिक अस्तित्व, प्रकृति संरक्षण एवं आत्मनिर्भरता के उनके संदर्भों को जन-जनक तक पहुँचाएं और उनके आदर्शों को अनुपालन करें।

भगवान विरसा मुंडा भारत के इतिहास में अद्यत्य साहस्र, अंसर्विभान के प्रतीक के रूप में पूजे जाते हैं। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को बांगला

प्रेसीडेंसी, वर्तमान में झारखण्ड के उल्हासगढ़ जिला खुंडी में मुंडा जनजाति में हुआ था। होश संभालने के बाद से ही उनका ध्यान समाज की गरीबी पर केंद्रित रहा, क्योंकि आदिवासियों को जीवन कई अभावों से भरा हुआ था, जिसका फायदा इसाई मिशनरी उड़ा रही थी और उनकी गरीबी को ईश्वरीय प्रकार कहकर, उन्हें भाव खिलाने तथा कर्पेंट देने के नाम पर उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने समाज से धर्म और संस्कृति से जुड़े की सलाह देने के साथ ही मिशनरियों

को जन-जनक तक पहुँचाएं और उनके आदर्शों को अनुपालन करें।

भगवान विरसा मुंडा भारत के इतिहास में अद्यत्य साहस्र, अंसर्विभान के प्रतीक के रूप में पूजे जाते हैं। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को बांगला

प्रेसीडेंसी, वर्तमान में झारखण्ड के उल्हासगढ़ जिला खुंडी में मुंडा जनजाति में हुआ था। होश संभालने के बाद से ही उनका ध्यान समाज की गरीबी पर केंद्रित रहा, क्योंकि आदिवासियों को जीवन कई अभावों से भरा हुआ था, जिसका फायदा इसाई मिशनरी उड़ा रही थी और उनकी गरीबी को ईश्वरीय प्रकार कहकर, उन्हें भाव खिलाने तथा कर्पेंट देने के नाम पर उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने समाज से धर्म और संस्कृति से जुड़े की सलाह देने के साथ ही मिशनरियों

को जन-जनक तक पहुँचाएं और उनके आदर्शों को अनुपालन करें।

भगवान विरसा मुंडा भारत के इतिहास में अद्यत्य साहस्र, अंसर्विभान के प्रतीक के रूप में पूजे जाते हैं। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को बांगला

प्रेसीडेंसी, वर्तमान में झारखण्ड के उल्हासगढ़ जिला खुंडी में मुंडा जनजाति में हुआ था। होश संभालने के बाद से ही उनका ध्यान समाज की गरीबी पर केंद्रित रहा, क्योंकि आदिवासियों को जीवन कई अभावों से भरा हुआ था, जिसका फायदा इसाई मिशनरी उड़ा रही थी और उनकी गरीबी को ईश्वरीय प्रकार कहकर, उन्हें भाव खिलाने तथा कर्पेंट देने के नाम पर उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने समाज से धर्म और संस्कृति से जुड़े की सलाह देने के साथ ही मिशनरियों

को जन-जनक तक पहुँचाएं और उनके आदर्शों को अनुपालन करें।

भगवान विरसा मुंडा भारत के इतिहास में अद्यत्य साहस्र, अंसर्विभान के प्रतीक के रूप में पूजे जाते हैं। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को बांगला

प्रेसीडेंसी, वर्तमान में झारखण्ड के उल्हासगढ़ जिला खुंडी में मुंडा जनजाति में हुआ था। होश संभालने के बाद से ही उनका ध्यान समाज की गरीबी पर केंद्रित रहा, क्योंकि आदिवासियों को जीवन कई अभावों से भरा हुआ था, जिसका फायदा इसाई मिशनरी उड़ा रही थी और उनकी गरीबी को ईश्वरीय प्रकार कहकर, उन्हें भाव खिलाने तथा कर्पेंट देने के नाम पर उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने समाज से धर्म और संस्कृति से जुड़े की सलाह देने के साथ ही मिशनरियों

को जन-जनक तक पहुँचाएं और उनके आदर्शों को अनुपालन करें।

भगवान विरसा मुंडा भारत के इतिहास में अद्यत्य साहस्र, अंसर्विभान के प्रतीक के रूप में पूजे जाते हैं। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को बांगला

प्रेसीडेंसी, वर्तमान में झारखण्ड के उल्हासगढ़ जिला खुंडी में मुंडा जनजाति में हुआ था। होश संभालने के बाद से ही उनका ध्यान समाज की गरीबी पर केंद्रित रहा, क्योंकि आदिवासियों को जीवन कई अभावों से भरा हुआ था, जिसका फायदा इसाई मिशनरी उड़ा रही थी और उनकी गरीबी को ईश्वरीय प्रकार कहकर, उन्हें भाव खिलाने तथा कर्पेंट देने के नाम पर उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने समाज से धर्म और संस्कृति से जुड़े की सलाह देने के साथ ही मिशनरियों

को जन-जनक तक पहुँचाएं और उनके आदर्शों को अनुपालन करें।

## आतंक के पनाहगार धरती के भगवान खतरनाक संकेत



विवेक सरसेना

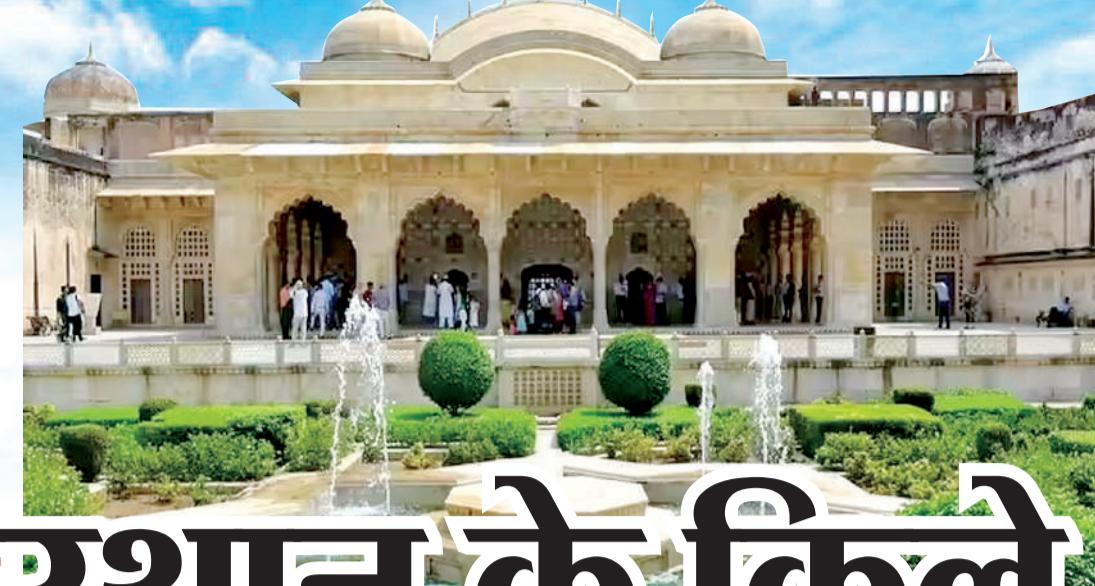
अयोध्या



देश में डॉक्टरों के रूप में उभरते आतंकवादी के रूप में सामने आ रहा है। यह "व्हाइट कॉलर टेरर" का नाम है। जब राजनीतिक मानविकता और सामाजिक जिम्मेदारी को पालयक्रम के केंद्र में नहीं रख पाए हैं, सो मूल्य-तत्त्व पहाड़ को दोषी ठहराना उचित नहीं। दूष उस सामाजिक और वैचारिक बातचारण में है, जिसमें विद्यार्थी पनपता है। यदि घर, समुदाय, विश्वविद्यालय परिसर और डिजिटल स्पेस लगातार किसी विशेष विचारधारा, भय, असुरक्षा या शत्रु-कल्पना को पोषित कर रहे हो, तो शिक्षा का तटस्थ ज्ञान उसके सामने कमज़ोर पड़ने से अतंत ऊपरांग, तकनीकी दक्ष और सफल पेशेवर

ए

जस्थान अपनी समृद्ध और जीवंत सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है, जिसमें भव्य किले और महल, अद्वितीय कलाकृतियां, हस्तशिल्प और 'धूमर' व 'कालबेलिया' जैसे प्रसिद्ध लोक नृत्य इसे पूरी दुनिया में चर्चित करते हैं। यहां के किले स्थापत्य भव्यता, जटिल नक्काशी और विभिन्न स्थापत्य शैलियों के मिश्रण के लिए भी जाने जाते हैं। यहां कई ऐसे किले हैं, जो भारत नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटकों के बीच खासे प्रसिद्ध हैं। उन्हें देखने के लिए हर मौसम में विदेशों से बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं। राजस्थान के जैसलमेर शहर में एक किला है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र है। त्रिकुटा हिल पर बने जैसलमेर किला अपनी बेहतरीन संरचना के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। अगर आप धूमने के शौकीन हैं, तो इस किले को देखने जरूर जाएं।

डॉ. विकास शुक्ला  
कानपुर

# राजस्थान के किले जीवंत संस्कृति की विरासत

## 1156 में स्थापित हुआ किला

जैसलमेर किले की स्थापना वर्ष 1156 में भाटी राजपूत महाराजा रावल जैसल ने कराया था। 1294 के आसपास इस साम्राज्य पर अलाउद्दीन खिलजी ने अक्रमण किया था और उसके सेना ने इसे करीब ना साल तक घेर कर रखा। 1558 के आसपास रावल लूनाराज के शासन के दीरान, विले पर अमीर अली ने झला किया था। इसके बाद ही तकालीन महाराजा ने अपनी पुरी की शादी अकबर से कर दी थी। मुलानों का संरक्षण मिलने से किला बच गया था। यह किला दुनिया के सबसे बड़े रेशेतकान में स्थापित किला है। यह राजस्थान का धूमरा अति प्राचीन किला भी है। यह किला 1762 तक मुगलों के नियत्रण में रहा, उसके बाद महारावल मूलराज ने विले पर नियत्रण कर लिया। दिसंबर 1818 में ईरट इंडिया कंपनी और महारावल मूलराज के बीच संधि हुई थी। इसमें तय हुआ था कि किले का नियत्रण मूलराज के पास हो रहा। 1820 में मूलराज की पूर्युता के बाद, उनके पोते गज सिंह किले का नियत्रण विरासत में भिन्ना था।

■ पीले बलुआ पत्थर से निर्मित यह किला यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। पर्यटक विशेष रूप से यहां सुर्यास्त देखने आते हैं। सूर्य की किरणें पूरे किले की शोभा बढ़ाती हैं। पीली दीवारें, सूरज की किरणें से मानों नहा सी जाती हैं। इस खूबसूरती के कारण ही इसे सोना किला या स्वर्ण किला भी कहा जाता है। यहां कुछ हवलियां भी हैं, जिनमें पटवाओं की हवेली, नथमल की हवेली, सलाम सिंह की हवेली शामिल हैं। इस किले में राजपुताना और इस्लामी शैली एक साथ दिखती है।

■ उदयपुर का किला- उदयपुर का किला अब सिर्फ पैलेस के नाम से जाना जाता है। यह पिछोला झील के किनारे स्थित है। इसका निर्माण 16 वीं शताब्दी में राजा उदयसिंह द्वितीय ने कराया था। इसके अंदर कई भव्य महल व एक भगवान जगदीश का मंदिर भी है।

■ चित्तोड़ किला- ऐतिहासिक किले का निर्माण मौर्य वंश के राजा चित्रांगद ने सातवीं शताब्दी में कराया था। इस किले पर मौर्य, गुहिलवंश, परमार, सोलंकी आदि अनेक वंशों ने शासन किया। 1174 ई. के आसपास पुनः गुहिलवंशियों ने इस पर अधिकार कर लिया था। इस किले को 2013 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर का दर्जा प्रदान दिया गया है।

■ मेहरानगढ़ किला- ऊधपुर में स्थित मेहरानगढ़ किला 124 मीटर की चार्चाएँ एक पहाड़ी पर स्थित है। इसकी नींव जोधपुर के 15 वें शासक राव जोधा ने 1459 में रखी थी। बाद महाराजा जसवंत

सिंह ने 1638 से 78 के मध्य किले के निर्माण कार्य को पूरा करवाया। 10 किलोमीटर लंबी दीवार किले को घेरे हुए हैं। किले के अंदर कई भव्य महल रिस्तहाल के नाम से जाना जाता है।

■ सिरिया पैलेस- महाराजा सवाई जय सिंह ने 1729 से 1732 के मध्य किले का निर्माण कराया था, अब इस सिरिया पैलेस के रूप में जाना जाता है। यह एक राजस्थानी व मुगल शैलियों की मिश्रित रचना है। यहां धूमर के लिए बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं।

■ उम्मेद भवन- उम्मेद भवन राजस्थान की शान है। इसका निर्माण राठोर राजवंश के शासक राजा उम्मेद सिंह ने बनवाया था। इसके निर्माण की योजना



■ हवा महल- जयपुर स्थित जल महल के समीप ही हवा महल है। 799 में महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने इसकी स्थापना कराई थी। यह एक पांच मंजिला इमारत है। इसका आकार मधुमक्खी के छते की तरह दिखता है।

तैयार करने के लिए वास्तुकार हेनरी लोनचेस्टर को चुना गया था। महल के तीन हिस्से हैं। एक में उम्मेद होटल है, तो दूसरा हिस्सा शाही परिवार के पास है, जबकि तीसरे हिस्से में संग्रहालय स्थापित है।

■ राणथंभौर किला- सवाई माधोपुर में स्थित राणथंभौर किला की स्थापना राजा सज्जन वीर सिंह ने कराया था। दो पहाड़ियों के मध्य में स्थित यह किला अपनी वास्तुकाल के लिए प्रसिद्ध है। इस दुर्ग की सबसे अधिक स्थायी हमीर देव चौहान के शासनकाल 1282-1301 में रही। 1301 में इस किले पर अलाउद्दीन खिलजी ने कब्जा कर लिया। इसके पश्चात 18 वीं सदी के मध्य तक इस पर मुगलों

का अधिकार रहा।

■ आमेर का किला- जयपुर से 11 किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ी के ऊपर आमेर का किला स्थित है। इसकी स्थापना का कार्य 1592 में राजा मानसिंह प्रथम ने कराया था। यह लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर से बना है, जिसमें हिंदू और मुगल वास्तुकाल का मिश्रण दिखता है। किले के प्रमुख आकर्षण शीश महल (आईना महल), दीवान-ए-आम, दीवान-ए-आम, और सुख निवास शामिल हैं।



## आपकी ओर

हम रखते थे शिक्षकों  
के अजूबे निकलने

■ रुक्मि रुक्मि से सात वलासेस होती थी, जिसके बाद सारे केढेस मार्च करते हुए में वेल के लिए प्रस्तुत करते थे। लंबे अमूरन 2.00 तक चलाया था। इसके बाद केढेट संबंधित हाउस में चले जाते थे। 14:00 तक रिलेक्स टाइम होता था। 14:30 से 6:00 तक गंगा पीरियड होता था। हम लाग पुटबैल, वालीबैल, हाँकी, किकेट, बास्केटबैल जैसे खेल खेलते थे। उसके बाद यह अपने अपने हाउस के लिए प्रस्तुत कर जाते थे। नहाने थोने के बाद 6:30 से आठ के बीच द्वितीय लूनाराज के लिए प्रस्तुत कर जाते थे। रात आठ बजे दिनर के लिए एक-एक मिनट चुराने की कोशिश करते थे। मेरा हाउस किंवद्दि हाउस के समान है। यह लाग जहां भी सीनियर्स को देखते हैं। यहां रोजा जाता था, जो की कानपुरे डेंड से लगा हुआ था। यहां रोजा जाता था।

■ सैनिक रुक्मि की रुठीन हुआ करती थी कि हम रोजा का शेष्यलुप पूरा करने में ही निहाल हो जाते थे। रोज सुबह-सुबह उठता हुआ करते थे। अग्रिम रोजी के समान था। हम उस दीरान सोने के लिए एक-एक मिनट चुराने की कोशिश करते थे। मेरा हाउस किंवद्दि हाउस के समान है। हम लाग जहां भी सीनियर्स को देखते हैं। यहां रोजा जाता था।

■ सैनिक रुक्मि की रुठीन हुआ करती थी कि हम रोजा का शेष्यलुप पूरा करने में खेल खेलते थे। उसके बाद यह अपने हाउस के समान है। हम लाग जहां भी सीनियर्स को देखते हैं। यहां रोजा जाता था। यहां रोजा जाता था।

1:30 तक

चलती थी।

उपर्युक्त में असेंबली

शुरू होती थी।

फिर

नौ बजे से शैक्षणिक

वलासेस शुरू हो

जाती थी, जो दोपहर

आमीं विंग

के इन्ड्रोटर

उन दिनों आरपी

त्रिप्रिसिपल,

शिक्षक और कैडेट्स की

उपस्थिति में असेंबली

शुरू होती थी।

प्रतिवर्षीयां में संबंधित हाउस की जीत की जिम्मेदारी भी इन्हीं सीनियर्स के कंधों पर होती थी। लंग के बाद के समय हमारी एसीसीरी की हप्ते में 2 से 3 दिन परेड हुआ करती थी। मैं आर्मी वैकंटरारेड था। वह हमारे कैमिस्ट्री टीचर भी हुआ करते थे। उनको जब पहली

- संदीप पांडे

अधिकारी, उच्च न्यायालय लखनऊ

## लव ब्रडर्स

पहली नजर में ही  
दे बैठे दिल

पहली बार हम दोनों 2012 में कॉलेज में एक छात्र संघ के इकेवन कैंपेन के दोरान मिले। मैं पहली मुलाकात में ही रोशनी को दिल दे बैठा था। मिर हम दोनों के बीच बातचीतों का सिलसिला शुरू हुआ। कुछ समय बाद मैंने एक दोस्त के जरिए रोशनी से अपने दिल की बात कहलवाई, लेकिन बात नहीं बनी। रोशनी ने कोई जवाब नहीं दिया। वह दोनों की सी बीतने लगा। हम दोनों की दूसरी दूसरे ही पहली बात होती है।

एक दिन रोशनी ने मुझे फो





